Written by कुमार सौवीर
Thursday, 17 May 2018 03:36

:□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□ :□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ :□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□-□□□□□□,□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ :□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□,□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ :

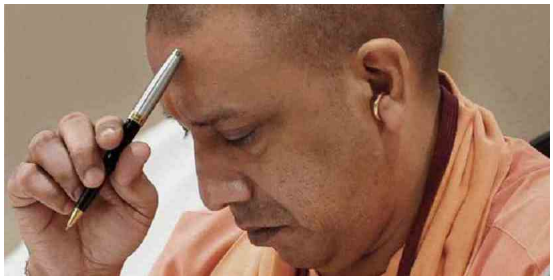

□□□□□ □□□□□

□□□□□□ :बधाई हो योगी जी, आपकी ओपी-पुलसि अपने मशिन में बलिकुल खरी उतरी है। जो बच्ची आपकी सरकार, आपके प्रशासन, आपकी पुलसि और पुलसि के चहेतों की प्रतिष्ठा पर बाकायदा एक बेहद पीड़ाजनक फांस बनी हुई थी, अब उसे हमेशा-हमेशा के लिए राह से हटाने का रास्ता साफ कर दिया गया है। पुलसि की शह पर दबंगों ने जिन्दा फूंक डाला है। बीएचयू के मेडिकल कालेज में बर्न-वार्ड में तड़प रही यह बच्ची की जुबान अब बोलने लायक तक नहीं बची है। घर-घर चूल्हा-चौका करने वाली उस बच्ची की मां की समझ में नहीं आ रहा है कि वह अपने बाकी तीन मासूमों का पेट पाले, या फिर अस्पताल में भर्ती अपनी इस बच्ची की सेवा करे। उसके पास पैसा भी तो नहीं है। जबकि अभियुक्तों को बचाने के लिए पुलसि-प्रशासन से लेकर पत्रकार और दलालों तक की पौ-बारह हो गयी।

यह हादसा है जौनपुर का। बड़े घरों में झाड़ू-पोंछा का काम कर अपने परिवार की दाल-रोटी का जुगाड़ करने वाले वाली उर्मिला की करीब पौने 15 बरस की बच्ची के एक दोपहर तीन बिगड़े नवाबों ने दबोचा था। उन तीनों ने उस बच्ची के साथ सामूहिक दुराचार किया। बाद में उसे एक सौ रूपया थमा कर धमकी दी, कि घरवालों को मत बताना। यह घटना है अप्रैल के मध्य की किसी तारीख की। और घटना स्थल है जौनपुर के बदलापुर तहसील क्षेत्र बा नुमा बाजार का।

□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□:-

□□□□□□□ □□□□□□□

Written by कुमार सौवीर
Thursday, 17 May 2018 03:36

नतीजा यह हुआ कि यह बच्ची गर्भवती हो गई। डेढ़ महीने बाद मां को पता चला तो वह सीधे थाने पर पहुंची। कुछ दिनों तक पुलिस ने मामला गोल-गोल नचाया। अभियुक्तों पर दबाव बनाने के लिए उसके घरवालों को खबर दी। पूरी कोशिश हुई कि ले-दे कर निपटा दिया जाए। बचौलिया के तौर पर पुलिस ने अपनी सेंधमारी की पूरी गुंजाइश पैदा की। लेकिन मामले पर जब राजनीतिक रंग चढ़ना शुरू हुआ तो पुलिस ने मामला दर्ज किया, मगर गिरफ्तारी नहीं की। लेकिन पाक्सो का मामला होने के बावजूद अभियुक्तों को सुरक्षित भाग निकलने के लिए पुलिस ने रेड-कार्पेट बिछा दिया।

यह दबाव बनाये रखा कि किसी भी तरह दबाया जाए। और बच्ची अपना बयान बदल दे। इसके लिए कुछ लोग सक्रिय हो गए। इनमें से कुछ लोग तो स्थानीय वकील थी, कोई वैद्य थे, कोई दलाल थे, तो कोई बहती गंगा में हाथ धोने को लालायित थे। सूत्रों के अनुसार इन दलालों ने इस बच्ची का गर्भ गिराने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाने का पूरा नाटक किया। यह भी भय दिखाया गया कि अगर यह गर्भ नहीं गिराया गया तो इन अभियुक्तों को बचाने से कोई नहीं तरीका होगा। पुलिस तो उन दुराचारियों की अभिभावकों की भूमिका में थी, इसलिए उन्हें खुला छुट्टा ही रखा गया। इतना ही नहीं, पिछली दीपावली की रात में इन दुराचारियों ने उस पीड़िता के घर के सामने बम-पटाखे और छुड़छुडियां-फुलझड़ियों भी फूंकी थीं।

□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□:-

□□ □□ □□□□□□

इसी बीच मौका मिलते ही दुराचारियों ने उस बच्ची का गर्भ भी गिरा दिया। बताते हैं कि कई दिन बच्ची जब बीमार थी, तो धोखे से ऐसी दवा दे दी गयी कि उसका अबॉर्शन हो गया। गौर तलब है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज होने के दौरान पुलिस ने उस बच्ची को जब जिला अस्पताल ले जाकर उसका मेडिकल कराया था, उसमें डॉक्टरों ने उस किशोरी के पेट में दो महीने के गर्भ होने की तस्दीक की थी। इस पर वह बच्ची और उसकी मां ने फिर दौड़-भाग की, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों ने उसकी आवाज को दबोचने के लिए हरचंद कोशिशें-साजिशें कीं।

□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□, □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□:-

□□□□-□□□□□□□□

और अब इस बच्ची को ही मौत के हवाले करने की साजिशें कर दी गयीं। हमारे संवाददाता को काफी विलम्ब से मिली खबर के अनुसार बीती 26 अप्रैल-18 को यह बच्ची अपने घर बुरी तरह जली मिली थी। जिला अस्पताल से भी उसे बीच यू रेफर कर दिया गया था, क्योंकि बच्ची की हालत खासी नाजुक थी। उस बच्ची की देखभाल करने वाला अब कोई नहीं है, घर का काम करने वाली उसकी मां अगर यह काम छोड़ कर अस्पताल चली जाए, तो उसके बाकी मासूम बच्चों का क्या होगा। उधर वह बच्ची केवल डॉक्टरों की कृपा के बीच केवल चीख-चीत्कार कर पर मजबूर है। डॉक्टर बताते हैं कि इस बच्ची इस तरह जली है कि उसके शब्द साफ नहीं निकल पा रहे हैं। (□□□□□:)

Written by कुमार सौवीर
Thursday, 17 May 2018 03:36

□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□, □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□-□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□:-

□□□□□□□□-□□□□□□